सत्यमेव जयते

पी. चिदम्बरम
P. CHIDAMBARAM

गृह मंत्री, भारत
HOME MINISTER, INDIA

प्रिय देशवासियो,

हिंदी दिवस के अवसर पर मेरी शुभकामनाएं !

हमारे देश के सामाजिक, शैक्षिक और आर्थिक ढांचे में आमूल-चूल परिवर्तन की प्रक्रिया जारी है। सूचना-प्रोद्योगिकी क्रांति और उन्नत संचार व्यवस्था ने संपूर्ण विश्व को एक विश्वग्राम में परिवर्तित कर दिया है। हिंदी का प्रयोग तीव्र गति से हो रहा है। हिंदी को इस स्थान तक पहुंचाने में हिंदीतर भाषी विद्वानों की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

राजभाषा अधिनियम, 1963 की धारा 3(3) के अंतर्गत आने वाले दस्तावेज़, काग़ज़ात आदि द्विभाषी रूप में तैयार किए जाते हैं। मूल रूप से हिंदी में किए जाने वाले कार्य, राजभाषा के रूप में हिंदी की बेहतर प्रगति का संकेत होगा। अतः कार्यालयों में हिंदी में मूल टिप्पण व पत्राचार को प्रोत्साहित किए जाने पर विशेष ध्यान दिया जाए। इसके अतिरिक्त, कठिन हिंदी के बजाय सरल एवं सहज हिंदी का प्रयोग, हिंदी की व्यापक पहुंच एवं प्रचार में सहायक साबित होगा।

कंप्यूटर और सूचना-प्रोद्योगिकी के क्षेत्र में नई तकनीकें विकसित हो रही हैं। लोगों को महत्वपूर्ण जानकारी और ज्ञान उपलब्ध करवाने में वेबसाइटों की उल्लेखनीय भूमिका है। अतः केंद्रीय सरकार के मंत्रालयों, विभागों और कार्यालयों की हिंदी वेबसाइटों पर अंग्रेजी वेबसाइटों के समान नवीनतम एवं पूर्ण जानकारी उपलब्ध होना जरूरी है। आज हमारे कंप्यूटर बिना किसी कठिनाई के हिंदी में काम करने में पूरी तरह सक्षम हैं। सूचना-प्रोद्योगिकी के क्षेत्र में तेजी से हो रही प्रगति का पूरा लाभ हिंदी प्रयोगकर्ता तक पहुंचाने के लिए यह आवश्यक है कि कंप्यूटर पर हिंदी प्रयोग के लिए मानक भाषा एनकोडिंग यानी यूनिकोड का प्रयोग किया जाए। केंद्रीय सरकार के मंत्रालयों, विभागों और कार्यालयों को यूनिकोड के प्रयोग से होने वाले लाभ के बारे में बताया गया है और इस दिशा में कुछ प्रगति भी हुई है, लेकिन इस तकनीक का पूरा लाभ उठाने के लिए इस संबंध में प्रभावी कार्रवाई की आवश्यकता है।

स्पष्ट रूप से लक्ष्यों को निर्धारित करते हुए, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा प्रति वर्ष एक वार्षिक कार्यक्रम जारी किया जाता है। मैं केंद्रीय सरकार के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु ठोस प्रयास करने का आग्रह करता हूं। साथ ही, यह भी अपील करता हूं कि इस संबंध में भेजी जाने वाली प्रगति रिपोर्टों में वास्तविक और तथ्यपरक आंकड़े एवं सूचनाएं ही दी जानी चाहिएं।

संघ की राजभाषा नीति का आधार सद्भावना, प्रेरणा एवं प्रोत्साहन है किंतु संबंधित अनुदेशों का अनुपालन उसी प्रकार दृढ़तापूर्वक किया जाना चाहिए जिस प्रकार अन्य सरकारी अनुदेशों का अनुपालन किया जाता है। आइए, हिंदी दिवस के इस शुभ अवसर पर हम सभी अपना अधिकाधिक कार्य हिंदी में करने के अपने संवैधानिक और नैतिक दायित्व के निर्वहन का संकल्प लें।

जय हिंद !

नई दिल्ली,
14 सितम्बर, 2010

पी. चिदम्बरम

पवन कुमार बंसल
PAWAN KUMAR BANSAL

सत्यमेव जयते

संसदीय कार्य एवं जल संसाधन मंत्री
भारत सरकार
नई दिल्ली-110001
MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS
&
WATER RESOURCES
GOVERNMENT OF INDIA
NEW DELHI-110001

11 अगस्त AUG 2010

सन्देश

मुझे यह जानकर अति प्रसन्नता हुई कि राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूड़की विगत वर्षो की भाँति इस वर्ष भी हिन्दी दिवस के गरिमामय अवसर पर अपनी वार्षिक हिन्दी पत्रिका ``प्रवाहिनी`` का प्रकाशन करने जा रहा है।

पत्रिका में जलविज्ञान, जल संसाधन, इंजीनियरिंग, पर्यावरण, कला, तथा साहित्य विषयक लेखों को प्रकाशित किया गया है। सरकारी कामकाज में राजभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार एवं उत्तरोत्तर प्रयोग को बढ़ावा देने की दिशा में यह एक सराहनीय प्रयास है। मुझे विश्वास है कि इस तरह के प्रयासों से विज्ञान, सूचना एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में राजभाषा हिन्दी को अपेक्षित प्रोत्साहन मिलेगा। हिन्दी दिवस के पावन अवसर पर मैं राजभाषा हिन्दी के प्रति समर्पित समस्त हिन्दी सेवियों तथा सम्पादन मंडल को हार्दिक बधाई देता हूँ।

मैं पत्रिका की सफलता के लिए अपनी शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

प. बंसल

(पवन कुमार बंसल)

15, Parliament House Phones : 011-23017780, 23017798, Fax : 011-23792341
210, Shram Shakti Bhawan Phones : 011-23711780, 23714200, Fax : 011-23710804

वींसेंट एच. पाला
VINCENT H. PALA

सत्यमेव जयते

जल संसाधन राज्य मंत्री
भारत सरकार
श्रम शक्ति भवन
नई दिल्ली-110001
MINISTER OF STATE FOR
WATER RESOURCES
GOVERNMENT OF INDIA
SHRAM SHAKTI BHAWAN
NEW DELHI-110001

दिनांक 11 अगस्त, 2010

संदेश

मुझे यह जानकर अपार प्रसन्नता हो रही है कि राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूड़की विगत वर्षो की भाँति इस वर्ष भी अपनी गृह पत्रिका "प्रवाहिनी" के 17वें अंक का प्रकाशन कर रहा है। संस्थान के लिए यह गौरव की बात है कि इस पत्रिका के माध्यम से वह वैज्ञानिक तथा तकनीकी विषयों से जुड़ी तमाम जानकारियों को जनसाधारण तक पहुँचाने का प्रशंसनीय कार्य कर रहा है।

मैं इस पत्रिका के सफल प्रकाशन की कामना करते हुए संस्थान के समस्त पदाधिकारियों से अनुरोध करता हूँ कि राजभाषा हिन्दी के प्रयोग में बढ़ोतरी सुनिश्चित करने के लिए वे सच्चे मन से हिन्दी में कार्य करें तथा राजभाषा के प्रचार-प्रसार एवं विकास में अपेक्षित सहयोग दें।

पत्रिका के सम्पादन/प्रकाशन कार्य से जुड़े समस्त अधिकारीगण बधाई के पात्र हैं। पत्रिका के उज्जवल भविष्य के लिए मेरी शुभकामनाएं।

(वींसेंट एच. पाला)

Office : 216, Shram Shakti Bhawan, Rafi Marg, New Delhi-110001, Tel.: 011-2332 5996, 23711586, Fax : 011-2335 4496
Resi.: 21, Balwant Rai Mehta Lane, New Delhi-110001, Tel.: 011-23385024, 23389236, Fax : 011-23070841
e-mail : vincentdimo@yahoo.com

हरीश रावत
ہریش راوت
HARISH RAWAT

श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री
भारत सरकार, नई दिल्ली
MINISTER OF STATE
FOR LABOUR & EMPLOYMENT
GOVERNMENT OF INDIA
NEW DELHI

D.O. No. 2/10/MOS/L&EMP/2010

11 अगस्त,2010

संदेश

यह अत्यन्त प्रसन्नता का विषय है कि राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान,रुड़की जैसे तकनीकी संगठन में भी राजभाषा हिंदी के प्रचार–प्रसार के लिए पिछले लगभग 17 वर्षों से हिंदी पत्रिका–***प्रवाहिनी*** का प्रकाशन हो रहा है। अनुवाद का क्षेत्र पिछले वर्षों में काफी व्यापक हुआ है और तकनीकी साहित्य का अनुवाद समय की मांग है। जल संसाधन,इंजीनियरिंग तथा पर्यावरण जैसे तकनीकी मुद्दों पर हिंदी में सामग्री का प्रकाशन निश्चय ही प्रशंसनीय और राजभाषा को सम्पर्क भाषा बनाने की दिशा में एक महती क़दम है।

मुझे विश्वास है कि ***प्रवाहिनी*** का ताज़ा अंक भी पूर्व की ही भांति ज्ञानवर्द्धक और सरस सामग्रियों से युक्त होगा जिसे पाठक न सिर्फ रूचि के साथ पढेंगे बल्कि संग्रह भी करना चाहेंगे।

(हरीश रावत)

104, Shram Shakti Bhawan, New Delhi-110119
Phone : 23325635 Telefax : 23766326

डा. रमेश पोखरियाल 'निशंक'

उत्तराखण्ड शासन

उत्तराखण्ड सचिवालय,
देहरादून-248001
फोन : 0135-2656068 (का.)
0135-2665090
0135-2531533 (नि.)
फैक्स : 0135-2712827

UO A 17 / 2010
10-08-2010

संदेश

यह प्रसन्नता का विषय है कि विगत 17 वर्षो से **'राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की'** हिन्दी दिवस पर वार्षिकी पत्रिका **'प्रवाहिनी'** का प्रकाशन करता आ रहा है। हिन्दी में विकासात्मक एवं अनुसंधानात्मक आलेखों के प्रकाशन से हिन्दी को और अधिक मान, सम्मान एवं प्रतिष्ठा मिलती है। आम जन की वाणी हिन्दी लेखकीय विचारों को सर्वग्राह्यता प्रदान करती है।

'राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की' की पत्रिका **'प्रवाहिनी'** में जल के बहुआयामों को अवश्य अवधारित किया जाना चाहिए। पृथ्वी पर जब तक जल है तभी तक जीवन है। इस तथ्य की महत्ता सबको समझानी होगी। **'प्रवाहिनी'** पत्रिका ऐसे विचारों के प्रवाह को निरन्तरता प्रदान करेगी। पत्रिका में प्रकाशित विद्वतजनों के लेख मानवजीवन के महत्वपूर्ण तत्व जल के संरक्षण एवं संवर्द्धन के प्रति आमजन को जागरुक करेंगे। ऐसी मेरी आशा एवं कामना है।

पुनः **'प्रवाहिनी'** पत्रिका के प्रकाशन पर मेरी ओर से बधाई एवं शुभकामनाऐं!

(डॉ० रमेश पोखरियाल 'निशंक')

प्रकाश पन्त
मंत्री,
पेयजल, श्रम, विद्यायी, संसदीय कार्य,
नियोजन, पुनर्गठन, निर्वाचन,
बाह्य सहायतित परियोजनायें
उत्तराखण्ड

उत्तराखंड शासन

विधान भवन,
देहरादून-248001
दूरभाष : 2665088 (कार्यालय)
2665988 (फैक्स)
2748200 (आवास)

दिनांक - 3.8.2010

♦ संदेश ♦

यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है कि राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान, रूड़की विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी अपनी वार्षिक हिन्दी पत्रिका ''प्रवाहिनी'' का प्रकाशन कर रहा है। आशा है कि इस 17वें संस्करण में प्रकाशित वैज्ञानिक, इंजीनियरी, तकनीकी एवं साहित्य सम्बन्धी लेख जन साधारण के लिए उपयोगी सिद्ध होंगे। संस्थान का यह प्रयास राजभाषा हिन्दी के प्रचार–प्रसार एवं प्रगामी प्रयोग के दृष्टिकोण से अत्यन्त सराहनीय एवं अनुकरणीय है। इससे तकनीकी लेखन को बढ़ावा मिलेगा तथा संस्थान के अन्य पदाधिकारी भी हिन्दी में लिखने की प्रेरणा प्राप्त करेंगे।

मैं ''प्रवाहिनी'' पत्रिका की लोकप्रियता एवं सम्पादक मण्डल को सफलता के लिये हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ।

प्रकाश पन्त

(प्रकाश पन्त)

मातबर सिंह कण्डारी
मंत्री
सिंचाई, लघु सिंचाई,
समाज कल्याण, खादी ग्रामोद्योग
एवं विकलांग कल्याण

उत्तराखंड शासन

विधान भवन
कक्ष सं.: 6
देहरादून
दूरभाष: (0135) 2666377 (का.)
फैक्स : (0135) 2666380 (फै.)
आवास: (0135) 2656286 (आ.)
मोबा. : 9411114880

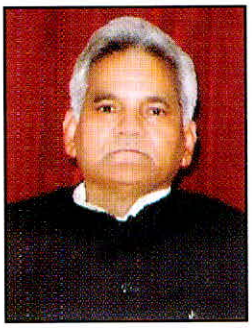

"सन्देश "

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है कि राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की द्वारा अपनी वार्षिक हिन्दी पत्रिका **"प्रवाहिनी"** का 17 वॉ संस्करण प्रकाशित किया जा रहा है। वैज्ञानिक शोध एवं तकनीकी तथा इंजीनियरिंग प्रकृति की कार्य–संस्कृति वाले किसी भी संस्थान के लिये यह बड़े गौरव तथा विशिष्ट उपलब्धि का विषय है। चूँकि इन संस्थानों में अधिकतर पाठ्यक्रम एवं शोध सामग्री अंग्रेजी में ही उपलब्ध होती है, ऐसे में हिन्दी में इस प्रकार के रचनात्मक कार्य संस्थान की हिन्दी के प्रति गहन अभिरुचि को अभिव्यक्त करता है।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि हिन्दी में प्रकाशित होने वाली पत्रिका में संस्थान अपनी गौरवशाली इतिहास एवं उपलब्धियों का समावेश करेगा तथा भविष्य में भी इसी प्रकार से वैज्ञानिक शोध एवं तकनीकी तथा इंजीनियरिंग के क्षेत्र में उत्तराखण्ड राज्य का नाम देश के अग्रणी राज्यों में सम्मिलित करने में सक्षम होगा।

मैं, प्रकाशित होने वाली पत्रिका की अपार सफलता के लिये हार्दिक शुभकामनायें देता हूँ तथा सम्पादन से जुड़े समस्त पदाधिकारियों को बधाई देता हूँ।

शुभकामनाओं सहित।

आपका

(मातबर सिंह कण्डारी)

मदन कौशिक
मंत्री
नगर विकास, पर्यटन, गन्ना विकास,
चीनी उद्योग एवं आकबारी

उत्तराखंड शासन

विधान सभा भवन
देहरादून
फोन : (0135) 2666304 (का.)
फोन : (0135) 2530827 (आ.)
फैक्स : (0135) 2666308 (का.)

संदेश

हर्ष का विषय है कि जल संसाधन मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन रूड़की में अवस्थित राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान एक वैज्ञानिक एवं तकनीकी संगठन होने के वाबजूद भी राजभाषा हिंदी के प्रयोग के प्रति पूर्णरूप से समर्पित है । हिंदी के प्रति समर्पण की इस परम्परा को पिछले 16-17 वर्षों से कायम रखते हुए यह संस्थान इस वर्ष भी हिंदी दिवस के गौरवशाली अवसर पर अपनी एकमात्र वार्षिक हिंदी पत्रिका **'प्रवाहिनी'** का 17वाँ अंक प्रकाशित कर रहा है । आशा है यह पत्रिका वैज्ञानिक तथा तकनीकी कार्यों से जुड़े व्यक्तियों के लिए उपयोगी एवं प्रेरणास्रोत साबित होगी ।

पत्रिका के सम्पादन एवं प्रकाशन कार्य से जुड़े सभी व्यक्तियों को मैं अपनी ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं संप्रेषित करता हूँ तथा यह कामना करता हूँ कि पत्रिका खूब फले-फूले तथा हर स्तर पर सफलता प्राप्त करे ।

(मदन कौशिक)

उमेश नारायण पंजियार
UMESH NARAYAN PANJIAR

सत्यमेव जयते

सचिव
भारत सरकार
जल संसाधन मंत्रालय
श्रम शक्ति भवन,
रफी मार्ग, नई दिल्ली-110001
SECRETARY
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF WATER RESOURCES
SHRAM SHAKTI BHAWAN
RAFI MARG, NEW DELHI-110001

संदेश

यह प्रसन्नता का विषय है कि राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान, रूड़की हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी हिन्दी दिवस के अवसर पर अपनी गृह पत्रिका प्रवाहिनी का 17 वॉ अंक प्रकाशित कर रहा है।

गृह पत्रिका प्रवाहिनी में वैज्ञानिक, तकनीकी एवं साहित्यिक विधाओं पर दिये गयें लेख संस्थान के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों की राजभाषा हिन्दी के प्रति गहन रूचि को प्रदर्शित करते हैं। आशा है कि इस पत्रिका में प्रकाशित लेखों से प्रेरित होकर संस्थान के अन्य पदाधिकारी भी अपने सरकारी कामकाज में राजभाषा हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देंगे।

मैं प्रवाहिनी की सफलता की मंगलकामना के साथ–साथ सम्पादक मंडल को हार्दिक बधाई देता हूँ।

उमेश नारायण पंजियार

(उमेश नारायण पंजियार)

Tel. : 23715919, Fax : 23731553, E-mail : un.panjiar@nic.in

जी. मोहन कुमार
G. MOHAN KUMAR

अपर सचिव
भारत सरकार
जल संसाधन मंत्रालय
श्रम शक्ति भवन
ADDITIONAL SECRETARY
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF WATER RESOURCES
SHRAM SHAKTI BHAWAN
TEL. NO. 23710619 FAX NO. : 23725477

नई दिल्ली दिनाँक 9 सितम्बर, 2010
NEW DELHI

संदेश

यह खुशी की बात है कि राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान, रूडकी विगत वर्षों की भाँति इस वर्ष भी अपनी गृह पत्रिका "प्रवाहिनी" के 17 वें अंक का प्रकाशन कर रहा है ।

देश के एक बडे भू-भाग द्वारा प्रयोग में लाई जाने तथा जन-मानस को एकता के सूत्र में बाँधने की अपार क्षमता रखने वाली भाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार व प्रयोग को बढावा देने की दृष्टि से प्रकाशित की जा रही ऐसी पत्रिका नि:संदेह ही वैज्ञानिक एवं तकनीकी कार्य संस्कृति वाले संस्थानों के लिए एक गौरव की बात है ।

मैं इस पत्रिका की सफलता की मंगल कामना करते हुए संस्थान के सभी पदाधिकारियों से अपील करता हूँ कि वे राजभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार को बढावा देने के लिए सार्थक प्रयास करें ।

पत्रिका के सम्पादन/प्रकाशन कार्य से जुडे समस्त अधिकारीगण बधाई के पात्र हैं । पत्रिका के उज्वल भविष्य के लिए मेरी शुभकामनाएं ।

जी. मोहन कुमार
(जी॰मोहन कुमार)

स्वच्छ सुरक्षित जल – सुन्दर खुशहाल कल
CONSERVE WATER - SAGE LIFE

सुधीर गर्ग
संयुक्त सचिव (प्रशासन)

भारत सरकार
GOVERNMENT OF INDIA
जल संसाधन मंत्रालय
MINISTRY OF WATER RESOURCES
श्रम शक्ति भवन, रफी मार्ग
SHRAM SHAKTI BHAWAN, RAFI MARG
नई दिल्ली-110001
NEW DELHI-110001

संदेश

यह प्रसन्नता का विषय है कि राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूड़की इस वर्ष भी **"प्रवाहिनी"** नामक अपनी गृह पत्रिका को प्रकाशित करने जा रहा है । मेरा विश्वास है कि पत्रिका का यह 17वाँ संस्करण तकनीकी एवं वैज्ञानिक प्रकृति के कार्यों में राजभाषा हिन्दी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने में कारगर सिद्ध होगा । इससे संस्थान के पाठकों को ही नहीं बल्कि अन्य पाठकों को भी तकनीकी क्षेत्र से जुडी विभिन्न जानकारियाँ राजभाषा हिंदी में पढ़ने को मिलेंगी । संस्थान का यह कार्य प्रशंसनीय एवं अनुकरणीय है ।

सम्पादन कार्य से जुड़े सभी पदाधिकारी बधाई के पात्र हैं। गृह पत्रिका **"प्रवाहिनी"** के उज्जवल भविष्य के लिए मेरी शुभकामनाएं हैं ।

(सुधीर गर्ग)